

# PROSPECTUS

## Diploma in Business Entrepreneurship And Management

(An Open Learning Programme  
in Entrepreneurship)

A collaboration of:



Entrepreneurship Development  
Institute of India, Ahmedabad  
&



Friedrich-Naumann  
Stiftung, Germany

Supported by :  
National Science & Technology  
Entrepreneurship  
Development Board,  
Dept. of Science &  
Technology,  
Govt. of India,  
New Delhi.



# Members of the Governing Body of EDI As on 31st March, 1999

- (1) **Shri G.P. Gupta**  
President - EDI  
Chairman  
Industrial Development Bank of India  
Mumbai-400 005
- (2) **Dr. Yoginder K. Alagh**  
Member of Parliament (Rajya Sabha)  
New Delhi - 110 001
- (3) **Shri Subodh Bhargava**  
Group Chairman & Chief Executive  
Eicher Goodearth Limited,  
New Delhi- 110 048
- (4) **Dr. M.V.d.Bogaert, s.j.**  
Co-ordinator  
Xavier Institute of Development Action  
& Studies (XIDAS)  
Jabalpur- 482 001(M.P.)
- (5) **Ms. Madhura M. Chatrapathy**  
M/s. Food Associates  
Bangalore- 560 055.
- (6) **Shri D. K. Dhagat**  
Chief General Manager  
(Development Banking)  
State Bank of India  
Mumbai- 400 021.
- (7) **Shri K. V. Kamath**  
Managing Director & CEO  
Industrial Credit and Investment Corpn.of India Ltd.  
Mumbai- 400 021.
- (8) **Shri C. K. Koshi**  
Addi. Chief Secretary  
Government of Gujarat  
Industries & Mines Dept.  
Gandhinagar- 382 010.
- (9) **Shri Y. C. Nanda**  
Managing Director  
National Bank for Agriculture & Rural Development  
Mumbai- 400 018.
- (10) **Shri P. V. Narasimham**  
Chairman & Managing Director,  
Industrial Finance Corporation of India Ltd.  
New Delhi- 110 001.
- (11) **Dr. Sailendra Narain**  
Managing Director  
Small Industries Development Bank of India  
Lucknow- 226 001.
- (12) **Shri V. Venkateswarlu**  
Adviser (Market Research Development)  
Industrial Development Bank of India  
Mumbai- 400 005.
- (13) **Dr. V. G. Patel**  
Vice President & Director  
EDI, Ahmedabad.



## संस्था

भारतीय उद्यमिता विकास संस्था (EDI), की स्थापना एक स्वायत्त व लाभ निरपेक्ष संस्था के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI), भारतीय औद्योगिक साख एवं विनियोग निगम (ICICI), भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI) तथा भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के प्रायोजन से हुई। ई.डी.आई. का विशाल प्रांगण गुजरात सरकार द्वारा दी गई 23 एकड़ भूमि पर स्थित है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्था की उद्यमिता विकास संबंधी अग्रणी गतिविधियों ने यह प्रमाणित किया है कि हर तबके के लोग सफल उद्योगपति बन सकते हैं और इस तरह इस अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया है कि उद्यमिता एक जन्मजात गुण है। उद्यमिता का विकास एक योजनाबद्ध तरीके से किया जा सकता है। इस दिशा में अपने अभियान को पूरा करने हेतु भारतीय उद्यमिता विकास संस्था ने विभिन्न राज्य स्तरीय उद्यमिता विकास केन्द्रों अथवा संस्थाओं को स्थापित करने में सहयोग दिया है। इस संस्था द्वारा 500 से अधिक प्रशिक्षित एवं विकसित प्रशिक्षक इन केन्द्रों को उनके कार्य में मदद कर रहे हैं। 300 से भी अधिक संस्थाओं ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्था का 'उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रारूप' क्रियान्वित किया है तथा इस संस्था के साथ इनके संबंध मजबूत हैं।

इस संस्था की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है- शिक्षक विकास कार्यक्रमों के जरिए विभिन्न राज्यों के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थाओं एवं प्रबंधकीय विद्यालयों में उद्यमिता उन्मुखी विषयों को इन संस्थाओं के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। 550 से अधिक प्रशिक्षित शिक्षक उद्यमिता विकास में सक्रिय हैं व युवाओं को उद्यमशील गतिविधियों के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इन प्रशिक्षित शिक्षकों व विभिन्न संस्थाओं के साथ स्थापित नेटवर्क, संस्था के लिए एक मजबूत पहलू है, जिससे इस नव उद्यम स्थापना अभियान को नई दिशा मिलती है।

जो लोग पहले से उद्योग चलाते हैं, भारतीय उद्यमिता विकास संस्था उनके लिए भी भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियां चलाता है। इनमें

## THE INSTITUTE

Entrepreneurship Development Institute of India (EDI), an autonomous and not-for-profit institute set up in 1983, is sponsored by national financial institutions - the Industrial Development Bank of India (IDBI), Industrial Finance Corporation of India (IFCI), Industrial Credit and Investment Corporation of India (ICICI) and State Bank of India (SBI). The Government of Gujarat pledged 23 acres of land on which stands the sprawling EDI campus.

EDI's pioneering activities in entrepreneurship development training have established the fact that people from all walks of life can become business owners. It has demolished the myth that entrepreneurs are born, and not made. Entrepreneurship can be developed through planned intervention. To pursue its mission, EDI has helped in setting up a number of state level Entrepreneurship Development Centres and Institutes. More than 500 trainers developed and trained by EDI are helping these organisations in their tasks. The EDP model developed by EDI has been implemented in over 300 organisations which have a strong linkage with EDI.

One of the more satisfying achievements of the institute, however, has been to take entrepreneurship training in the form of Faculty Development Programmes (FDPs), to a large number of schools, colleges, science and technology institutions and management schools in several states where entrepreneurship inputs have been included in the curriculum. Over 550 teachers trained by EDI are engaged in entrepreneurship development activities, motivating and guiding their students for an entrepreneurial career. Our linkages with these trained teachers and network of institutions help us in reinforcing our mission to provide a new impetus to enterprise creation.

EDI also organises a variety of programmes for the benefit of existing entrepreneurs. Among them, Succession Planning for Entrepreneurial Continuity (SPEC) was the first



पारिवारिक उद्योग को उत्तराधिकारी को सौंपने की योजना (SPEC) अपनी तरह का देश में प्रथम कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम पारिवारिक उद्योग के उत्तराधिकारी में निपुणता, सक्षमता, अभिप्रेरणा का संचार करने के उद्देश्य से संकल्पित किया गया ताकि वे अपने संगठन में नेतृत्व, नवाचार और परिवर्तन प्रबंधन की भूमिका को सकुशल निभा सकें।

'लघु उद्योग प्रबंधन सहायक कार्यक्रम (SIMAP)' नामक विशेष कार्यक्रम लघु औद्योगिक इकाइयों की प्रगति के लिए प्रबंधक विकसित करने में योगदान देता है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्था ने ऐसे प्रशिक्षण परामर्श कार्यक्रमों का सृजन किया है जो उद्यमियों को अपने औद्योगिक इकाई व उसकी प्रगति योजना का आंकलन करने में मदद करते हैं।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्था की इन सफलताओं और उद्यमिता के प्रसार में गहरी निष्ठा के फलस्वरूप भारत सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों ने संस्था की उपलब्धियों को स्वीकार किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन एवं संसाधनों के हस्तांतरण में योजनाबद्ध तरीकों एवं उद्यमिता विकास हेतु किए गए प्रयासों में संस्था ने विश्व बैंक, राष्ट्रमंडल सचिवालय, यूनिडो, आई.एल.ओ., फ्रेडरिक नाऊमन स्टिफ्टुंग, ब्रिटिश काउंसिल, फोर्ड फाऊंडेशन तथा अन्य विभिन्न प्रसिद्ध संस्थाओं का विश्वास एवं सक्रिय सहयोग प्राप्त किया है।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं तकनीकी उद्यमिता विकास बोर्ड (NSTEDB) ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्था में उद्योग नवाचार व खोज की राष्ट्रीय सुविधाएं स्थापित की हैं, जो कि एक उपलब्धि है। इस केन्द्र का लक्ष्य नवीन तकनीकों द्वारा तकनीक चालित उद्योगों का सर्जन करवाना है। यूनिडो व भारत सरकार के सहयोग से 'उद्यमिता व निवेश प्रशिक्षण के अंतरक्षेत्रीय केन्द्र' को इस संस्था में स्थापित किया गया है जो विकासशील देशों में इसकी अग्रता को सिद्ध करता है। संस्था की अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों में UNESCAP, BANGKOK, THAILAND द्वारा 'श्रेष्ठता केन्द्र' घोषित किया जाना शामिल है।

in the country. This programme was conceptualised to equip successors of family businesses with skills, competencies and motivation necessary to handle their future role in business. The 'Intrapreneurship' Programme seeks to inculcate the spirit of 'Intraprise' among managers/executives to ensure a sustained entrepreneurial vision within the enterprise.

The unique Small Industry Management Assistant Programme (SIMAP), contributes towards developing managers to support the growth of small enterprises. EDI has also chalked out growth-cum-counsellors' programmes to help entrepreneurs objectively analyse their enterprises and plan for growth.

The successes and commitments of the institute have culminated in recognition by the Government of India and the state governments. In the international arena, the entrepreneurship development efforts, by sharing resources and organising training programmes, have helped EDI earn accolade and support from the World Bank, Commonwealth Secretariat, UNIDO, ILO, FNSt, British Council, Ford Foundation and several other renowned agencies.

The National Facility for Innovations, sponsored by the National Science and Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) set up at EDI, is yet another achievement. This Centre aims at evolution of technology-driven enterprises by making available information on new and advanced technology.

UNIDO and the Government of India sponsored, prestigious 'Inter-Regional Centre (IRC) for Entrepreneurship and Investment Training', established at the Institute, recognises its leadership role among developing countries.

In recognition of its international achievements, the United Nations Economic & Social Commission for Asia and Pacific (ESCAP), Bangkok, Thailand, has declared EDI a 'Centre of Excellence'.



## कार्यक्रम

व्यवसाय उद्यमिता एवं प्रबंधन में डिप्लोमा

(उद्यमिता में मुक्त अध्ययन कार्यक्रम)

देश में उद्यमशील गतिविधियों के विस्तार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारतीय उद्यमिता विकास संस्था ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है। प्रायः परम्परागत ढंग से चलाए जाने वाले 'उद्यमिता विकास कार्यक्रमों' में एक समय में 30 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देना संभव नहीं हो पाता है, अतः प्रशिक्षणार्थियों की संख्या सीमित रह जाती है। इसके अतिरिक्त, समय, स्थान एवं साधनों के अभाव में दूर-दराज में रहनेवाले प्रत्येक संभावित उद्यमी तक पहुँचना एवं उसे प्रशिक्षित करना भी एक कठिन कार्य है। निःसंदेह आर्थिक उदारीकरण के कारण देश को नये उद्यमियों एवं उद्यमशील व्यक्तियों की आवश्यकता है, जो अपना व्यवसाय स्थापित करके अधिक से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। राष्ट्र की इस सर्वाधिक महत्वपूर्ण आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संस्था ने अपनी विशेषज्ञता एवं कुशलता का उपयोग कर उद्यमिता में यह मुक्त अध्ययन कार्यक्रम तैयार किया है।

## कयुं बी. डी. ई. एम.

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

1. संभावित अध्ययनकर्ता को रोजगार चाहत के बजाय रोजगार सर्जन में प्रशिक्षण प्रदान करना।
2. सूदूर क्षेत्रों में रहनेवाले उन संभावित उद्यमियों, जो परंपरागत शिक्षा से वंचित हैं, कम लागत पर उद्यमिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करना।
3. अध्ययनकर्ता की आवश्यकता एवं आकांक्षा के अनुरूप प्रशिक्षण में लचीलापन रखना।
4. अपनी पसंद के वातावरण और गतिक्रम में अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करना।
5. देश में उद्यमिता के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए संख्यात्मक एवं गुणात्मक रूप में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करना।

## कार्यक्रम के लाभ

इस कार्यक्रम का प्रारूप निम्नलिखित को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया है:

1. अभिप्रेरणा एवं उद्यमशील गुणों को सुदृढ़ बनाना।
2. नव उद्यम की स्थापना करने के लिए निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायता देना।
3. सफल एवं लाभप्रद ढंग से उद्यम संचालन की प्रक्रिया में सहायता पहुँचाना।

कार्यक्रम में क्रियात्मक एवं विकासात्मक, दोनों तरह की पाठ्य सामग्री को शामिल किया गया है। व्यवसायिक अवसरों की पहचान, परामर्श, ऋण के लिए परियोजना की रूपरेखा तैयार करना, बाजार आंकलन, लघु उद्योग प्रबंधन एवं ऐसे स्रोतों की जानकारी जो उद्यमी को उसके लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता देते हैं, आदि सभी विषयों की विस्तृत रूप से जानकारी इस कार्यक्रम में दी जाएगी।

## THE COURSE

Diploma in Business Entrepreneurship & Management (DBEM) :

(An Open Learning Programme in Entrepreneurship).

This course has been specially designed by EDI in response to a countrywide need to expand entrepreneurship development activities. The conventional 'class room based' entrepreneurship training programmes cannot train more than 30 potential entrepreneurs at a time. The coverage of beneficiaries, thus, gets restricted. Besides, reaching out to a large number of aspirants, particularly in the remote corners of our country, is a difficult proposition, both in terms of monetary as well as time and location constraints. Yet, without doubt, in the wake of opening up of the economy, there is need for a new breed of entrepreneurs in our country - enterprising persons to set up business and create employment for a large number of people.

To respond to this need of the nation and develop expertise and skills, EDI has evolved the 'Open learning programme'.

## WHY DBEM

The rationale behind this programme are to :

1. provide training to potential learners to become job creators rather than job seekers;
2. provide a cost effective mode of training in entrepreneurship to those living in remote areas and thus deprived of participating in conventional EDPs ;
3. provide flexibility to suit the needs and aspirations of different categories of learners;
4. provide facility of learning in one's own environment, at own pace and convenience;
5. make sizeable contribution, quantitatively and qualitatively to the task of strengthening entrepreneurship in the country.

## HOW WOULD YOU BENEFIT

PMRY Candidates having undergone this course will be exempted from further training under PMRY.

Besides, the course is so designed as to develop :

1. entrepreneurial traits and motivation as well as the spirit of enterprise;
2. decision-making capabilities needed to set up a business venture;
3. expertise to successfully manage an enterprise.

The programme inputs are both functional and developmental. The study material covers areas like: Business Opportunity Identification and Guidance, Market Assessment, Project Report Preparation, Small Business Management and sources of assistance to facilitate the learner in implementing the business.



## कार्यक्रम की अवधि

डिप्लोमा की कुल अवधि एक वर्ष है। कार्यक्रम दो भागों में विभाजित है, जिसमें नौ महीने के अध्ययन सत्र एवं अंतिम तीन महीने में प्रशिक्षणार्थियों को अपना उद्यम शुरू करने में सहायता प्रदान करना शामिल है। अध्ययन सामग्री की सभी 10 इकाइयां अध्ययनकर्ता को प्रथम नौ महीने में भेजी जाएगी। इसके अतिरिक्त लघु उद्योग चलाने की जरूरतों संबंधी अतिरिक्त पाठ्य सामग्री भी साथ भेजी जाएगी।

यद्यपि अध्ययनकर्ताओं के लिए समय एवं गतिक्रम में पर्याप्त लचीलापन रखा गया है। परंतु इसके बावजूद अध्ययनकर्ता को सावधानीपूर्वक व्यापक एवं विस्तृत पाठ्य सामग्री को व्यक्तिगत रूप से अध्ययन करने के लिए योजना बनानी पड़ेगी। अध्ययनकर्ता का उद्देश्य उनको भेजी गई पाठ्य सामग्री से निरंतर ज्ञान प्राप्त करने का होना चाहिए ताकि अध्ययनकर्ता उद्यम/व्यवसाय स्थापित करते समय सफलतापूर्वक इसका उपयोग कर सके।

## कार्यक्रम की विषय सूची

- इकाई क्रमांक 1 : उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)
- : उद्यमिता क्या है?
  - : सफल व्यक्तित्व के निर्माण में उद्यमीय कार्यों की महत्ता
  - : उद्यमिता के प्रमुख आकर्षण
  - : उद्यमिता को प्रभावित करनेवाले तत्व
- इकाई क्रमांक 2 : उद्यम स्थापन में सहयोगी संस्थाओं से संबंधित सूचनाएं (INFORMATION ON SUPPORT SYSTEM)
- : औद्योगिक शब्दावली
  - : लघु उद्योग स्थापना में शासन से सहायता
  - : लघु उद्योग स्थापित करने की योजना
  - : प्रमुख वित्तीय संस्थाएं
  - : अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं
- इकाई क्रमांक 3 : उपयुक्त व्यवसाय का चयन हेतु मार्गदर्शन (BUSINESS OPPORTUNITY IDENTIFICATION)
- : विभिन्न व्यवसायों का वर्गीकरण
  - : वातावरण विश्लेषण: आवश्यकता का आंकलन
  - : वातावरण विश्लेषण: संसाधनों का आंकलन
  - : वातावरण विश्लेषण: बाजार पूर्ति के स्रोतों का विश्लेषण
  - : वातावरण विश्लेषण: नीति/अर्थ व्यवस्था आंकलन
  - : वातावरण विश्लेषण: सूचनाओं के स्रोत
  - : विभिन्न संभावित उद्योगों के बारे में जानकारी: भाग 1
  - : विभिन्न संभावित उद्योगों के बारे में जानकारी: भाग 2
  - : उपयुक्त व्यवसायिक अवसर के चयन की प्रक्रिया
  - : परियोजना संभाव्यता: भाग 1.
  - : परियोजना संभाव्यता: भाग 2.
  - : उपयुक्त उद्यम/व्यवसाय का अंतिम रूप में चयन.

## DURATION

The duration of DBEM is one year. The course is divided into two stages: nine months of study and three months of follow up support to help set up enterprise. Ten units of study material will be sent in the first nine months alongwith considerable additional material to meet the current and future requirements of the small scale sector.

The learning time and pace are flexible. However, it is advisable that the learner carefully plans the time he/she would like to spend on individual study of the inputs.

The aim of the learner should be to gain knowledge and skills from the specially designed study material that would facilitate him/her in launching & successfully managing a business.

## COURSE CONTENTS

The contents of the course are in the form of self instructional study material divided into 10 units :

### Unit 1 : Entrepreneurship :

- Chapter 1 : What is Entrepreneurship ?
- Chapter 2 : Importance and Relevance of Entrepreneurship
- Chapter 3 : Charms of Being an Entrepreneur
- Chapter 4 : Factors Influencing Entrepreneurship

### Unit 2 : Information on Support System :

- Chapter 5 : Industrial Terminology
- Chapter 6 : Planning a Small Scale Enterprise
- Chapter 7 : Information on Sources of Support
- Chapter 8 : Financial Agencies
- Chapter 9 : Other Important Agencies

### Unit 3 : Business Opportunity Identification :

- Chapter 10 : Classification of Business
- Chapter 11 : Environment Scanning : Need Assessment
- Chapter 12 : Environment Scanning : Resource Assessment
- Chapter 13 : Environment Scanning : Sources of Supply : Analysis
- Chapter 14 : Environment Scanning : Policy/Economy Assessment
- Chapter 15 : Environment Scanning : Sources of Information
- Chapter 16 : Project Ideas : Part I
- Chapter 17 : Project Ideas : Part II
- Chapter 18 : Criteria for Selection of Business Opportunity
- Chapter 19 : Project Feasibility : Part I
- Chapter 20 : Project Feasibility : Part II
- Chapter 21 : Final Selection of Appropriate Business Opportunity



इकाई क्रमांक 4 : बाजार आंकलन

(MARKET ASSESSMENT)

- : बाजार आंकलन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता
- : बाजार आंकलन की विधियाँ एवं साधन
- : बाजार सर्वेक्षण की विधि
- : बाजार से सूचनाएं एकत्र करने के विभिन्न स्रोत
- : बाजार सर्वेक्षण प्रतिवेदन तैयार करना
- : उत्पाद चयन में बाजार सर्वेक्षण प्रतिवेदन की उपयोगिता

इकाई क्रमांक 5 : उद्यमीय अभिप्रेरणा

(ENTREPRENEURIAL MOTIVATION)

- : उद्यमशील अभिप्रेरणा- परिचय
- : स्व: अन्वेषण
- : स्व: आंकलन
- : सुनियोजित योजना तैयार करना
- : उद्यमीय क्षमताएं
- : लक्ष्य निर्धारित करना
- : समूह भावना
- : आप भी यह कर सकते हैं: भाग 1
- : आप भी यह कर सकते हैं: भाग 2
- : आप भी यह कर सकते हैं: भाग 3
- : आप भी यह कर सकते हैं: भाग 4
- : आप भी यह कर सकते हैं: भाग 5

इकाई क्रमांक 6 : उद्यम हेतु योजना निर्माण एवं वित्तीय व्यवस्था

(BUSINESS PLAN PREPARATION AND PROJECT FINANCE)

- : परियोजना प्रपत्र: आवश्यकता एवं प्रासंगिकता
- : परियोजना का वितरण एवं महत्व
- : बाजार संभाव्यता: भाग 1
- : बाजार संभाव्यता: भाग 2
- : बाजार संभाव्यता: भाग 3
- : बाजार संभाव्यता: भाग 4
- : तकनीकी संभाव्यता: भाग 1
- : तकनीकी संभाव्यता: भाग 2
- : तकनीकी संभाव्यता: भाग 3
- : तकनीकी संभाव्यता: भाग 4
- : वित्तीय संभाव्यता : भाग 1
- : वित्तीय संभाव्यता : भाग 2
- : वित्तीय संभाव्यता : भाग 3
- : वित्तीय संभाव्यता : भाग 4
- : वित्तीय व्यवहारिकता एवं लाभप्रदता
- : योजना क्रियान्वयन की कार्यसूची
- : स्वीकृति/पंजीयन
- : सामान्य त्रुटियाँ

इकाई क्रमांक 7 : लघु व्यवसाय प्रबंधन - (भाग-1)

(SMALL BUSINESS MANAGEMENT - PART 1)

- : आवश्यक प्रबंधकीय निपुणता
- : लघु व्यवसाय में सामान्य प्रबंधन
- : लघु व्यवसाय प्रबंधन की प्रक्रिया
- : बाह्य वातावरण का प्रबंधन
- : लघु व्यवसाय में सफलता हेतु योजना तैयार करना

Unit 4 : Market Assessment :

- Chapter 22 : Market Assessment : Need and Relevance
- Chapter 23 : Market Assessment : Tools and Techniques
- Chapter 24 : Method of Market Survey
- Chapter 25 : Sources of Market Information
- Chapter 26 : Preparation of Market Survey Report
- Chapter 27 : Use of Market Survey Report in Selecting the Product

Unit 5 : Entrepreneurial Motivation :

- Chapter 28 : Entrepreneurial Motivation : Introduction
- Chapter 29 : Exploring Self
- Chapter 30 : Self Assessment : Part I
- Chapter 31 : Self Assessment : Part II
- Chapter 32 : Entrepreneurial Competencies
- Chapter 33 : Goal Setting
- Chapter 34 : Systematic Planning
- Chapter 35 : Team Building
- Chapter 36 : You Too Can Do It : Part I
- Chapter 37 : You Too Can Do It : Part II
- Chapter 38 : You Too Can Do It : Part III
- Chapter 39 : You Too Can Do It : Part IV
- Chapter 40 : You Too Can Do It : Part V

Unit 6 : Business Plan Preparation and Project Finance :

- Chapter 41 : Project Report : Need and Relevance
- Chapter 42 : Market Feasibility : Part I
- Chapter 43 : Market Feasibility : Part II
- Chapter 44 : Market Feasibility : Part III
- Chapter 45 : Market Feasibility : Part IV
- Chapter 46 : Technical Feasibility : Part I
- Chapter 47 : Technical Feasibility : Part II
- Chapter 48 : Technical Feasibility : Part III
- Chapter 49 : Technical Feasibility : Part IV
- Chapter 50 : Financial Feasibility : Part I
- Chapter 51 : Financial Feasibility : Part II
- Chapter 52 : Financial Feasibility : Part III
- Chapter 53 : Financial Feasibility : Part IV
- Chapter 54 : Strategic Planning : Part I
- Chapter 55 : Strategic Planning : Part II
- Chapter 56 : Implementation Schedule
- Chapter 57 : Loan Application and Disbursement Formalities
- Chapter 58 : Other Relevant Procedures and Formalities

Unit 7 : Small Business Management : Part I :

- Chapter 59 : Management Strategies for Small Business
- Chapter 60 : Planning for Success in Small Business
- Chapter 61 : General Management in Small Business
- Chapter 62 : Crises Management in Small Business : Part I
- Chapter 63 : Crises Management in



- : लघु व्यवसाय में संकट प्रबंधन : भाग 1
- : लघु व्यवसाय में संकट प्रबंधन : भाग 2
- : लघु व्यवसाय में संकट प्रबंधन : भाग 3
- : लघु व्यवसाय में संकट प्रबंधन : भाग 4
- : लघु व्यवसाय में संकट प्रबंधन : भाग 5
- : संप्रेषण कला
- : समझौते की व्यूह रचना एवं तरीके
- : समस्या समाधान एवं निर्णय लेने की क्षमता

इकाई क्रमांक 8 : लघु व्यवसाय एवं प्रबंधन - (भाग-2)

(SMALL BUSINESS MANAGEMENT PART - 2)

- : लघु व्यवसाय में उत्पादन प्रबंधन
- : लघु व्यवसाय में गुणवत्ता प्रबंधन
- : लघु व्यवसाय में समय प्रबंधन
- : प्रबंधन में मूल्य उन्मुखता
- : लघु व्यवसाय में कर्मचारियों का चयन
- : लघु व्यवसाय में कार्मिक प्रबंधन
- : लघु व्यवसाय में स्व प्रबंधन

इकाई क्रमांक 9 : लघु व्यवसाय प्रबंधन (भाग-3)

(SMALL BUSINESS MANAGEMENT PART - 3)

- : लघु व्यवसाय में विपणन प्रबंधन : भाग 1.
- : लघु व्यवसाय में विपणन प्रबंधन : भाग 2.
- : लघु व्यवसाय में विपणन प्रबंधन : भाग 3.
- : लघु व्यवसाय में वित्तीय प्रबंधन : भाग 1.
- : लघु व्यवसाय में लागत व मूल्य निर्धारण
- : कार्यशील पूंजी की आवश्यकता का आंकलन
- : कार्यशील पूंजी का प्रबंधन
- : ऋण आवेदन पत्र एवं ऋण वितरण से संबंधित औपचारिकताएं
- : अन्य संबंधित प्रक्रियाएं एवं औपचारिकताएं

इकाई क्रमांक 10 : वैधानिक तथा नियमकारी आवश्यकताएं

(STATUTORY REQUIREMENTS)

- : श्रम संबंधी नियमन तथा औपचारिकताएं.
- : वाणिज्यिक कानूनों से परिचय
- : कर संबंधी नियम तथा औपचारिकताएं
- : उद्योग विशेष नियम/वैधानिक आवश्यकताएं

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित विषयों पर अतिरिक्त पाठ्य सामग्री भी भेजी जाएगी:

- : निर्यात संबंधी प्रक्रियाएं तथा निर्यात विपणन
- : उद्यम-पूंजी वित्त प्रबंध
- : पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (TQM).
- : प्रतिष्ठित उद्योगों के उत्पादों को बेचने का अधिकार
- : सूचना प्रौद्योगिकी का प्रतियोगी लाभ के लिए उपयोग.
- : एकाधिकार/गैट/विश्व व्यापार संगठन
- : व्यूह रचना प्रबंधन
- : पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण
- : व्यवसाय आचार व्यवहार

Small Business : Part II

- Chapter 64 : Crises Management in Small Business : Part III
- Chapter 65 : Managing External Environment
- Chapter 66 : Economics for Small Business : Part I
- Chapter 67 : Economics for Small Business : Part II
- Chapter 68 : Problem Solving and Decision Making
- Chapter 69 : Communication Skills

Unit 8 : Small Business Management : Part II

- Chapter 70 : Production Management in Small Business
- Chapter 71 : Time Management in Small Business
- Chapter 72 : Quality Management in Small Business
- Chapter 73 : Value Orientation in Management
- Chapter 74 : Self Management in Small Business
- Chapter 75 : Personnel Management in Small Business
- Chapter 76 : Personnel Recruitment in Small Business

Unit 9 : Small Business Management : Part III

- Chapter 77 : Marketing Management in Small Business : Part I
- Chapter 78 : Marketing Management in Small Business : Part II
- Chapter 79 : Marketing Management in Small Business : Part III
- Chapter 80 : Financial Management in Small Business : General
- Chapter 81 : Financial Management in Small Business : Booking Keeping and Accounts
- Chapter 82 : Financial Management in Small Business : Balance Sheet and Profit and Loss Accounts
- Chapter 83 : Assessment of Working Capital Requirement
- Chapter 84 : Management of Working Capital
- Chapter 85 : Costing and Pricing in Small Business

Unit 10 : Statutory Requirements :

- Chapter 86 : Labour Related Requirements
- Chapter 87 : Tax Related Requirements
- Chapter 88 : Industry Specific Requirements

\*The chapters indicated above are not necessarily the titles. They merely indicate the contents.

In addition to this, study material on the following topics would also be provided :

- Export Procedures and Export Marketing
- Venture Capital Financing
- Total Quality Management (TQM)
- Franchising
- How to Use Information Technology (IT) to Get Competitive Advantage/Changes in Modes of Communication
- Patents/GATT/WTO
- Strategic Management
- Environment and Pollution Control
- Business Ethics



## पाठ्य सामग्री

उच्च गुणवत्ता में मुद्रित, आकर्षक एवं सरलता से समझ आनेवाली पाठ्य सामग्री दस इकाईयों में विभाजित की गई है। प्रत्येक इकाई एक मुख्य विषय का वर्णन करती है तथा प्रत्येक इकाई कई पाठों में विभाजित है।

प्रत्येक इकाई के अंत में सभी अध्ययनकर्ताओं को एक कार्य अभ्यास के लिए दिया जाएगा जिसे अध्ययनकर्ता द्वारा अनिवार्य रूप से पूर्ण कर संबंधित परामर्शदाता के माध्यम से मूल्यांकन हेतु जमा करवाना होगा।

## अध्ययन का माध्यम

कार्यक्रम के अध्ययन का माध्यम हिन्दी/अंग्रेजी या गुजराती है। अध्ययनकर्ता को संबंधित भाषाओं में परामर्शदाता उपलब्ध करवाए जाएंगे।

## संपर्क सत्र

व्यक्तिगत संपर्क की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में दो संपर्क सत्रों को भी शामिल गया है जो अध्ययनकर्ता के अपने शहर अथवा निकट के शहर में आयोजित किये जाएंगे।

प्रत्येक संपर्क सत्र तीन से चार दिन का होगा।

अ. प्रथम संपर्क सत्र में निम्नलिखित विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा:

1. व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने में (उपयुक्त इकाई का चयन करने में) मार्गदर्शन
2. उपलब्धि अभिप्रेरणा हेतु प्रशिक्षण

ब. द्वितीय संपर्क सत्र में निम्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा:

1. विस्तृत व्यवसायिक योजना (Business Plan) तैयार करने हेतु प्रशिक्षण
2. बैंक व वित्तीय संस्थाओं के व्यावसायिक योजना अवमूल्यन की विधि की जानकारी
3. सफल उद्यमियों के साथ चर्चा

निरंतर सलाह एवं सहायता प्राप्त करने के लिए अध्ययनकर्ताओं को अपने स्थानीय विशेषज्ञ/परामर्शदाताओं के साथ चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम में दाखिले के समय अध्ययनकर्ता को उसके परामर्शदाता व परामर्श केन्द्र के विषय में बताया जाता है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए अध्ययनकर्ता सीधा ही भारतीय उद्यमिता विकास संस्था के मुक्त अध्ययन विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

## STUDY MATERIAL

The printed, attractive and easy-to-follow self instructional study material is divided into ten units. Each unit deals with a key topic and there are several chapters to each of these units. At the end of each unit, there will be assignments which are to be duly completed and submitted for assessment to the assigned counsellors.

## MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction are English/Hindi/Gujarati. However, personal counselling by a counsellor will be provided in regional language.

## CONTACT SESSIONS

Recognising the need for face to face contact for certain inputs, this course also includes two contact sessions at a location near to that of the learner.

Each of these contact sessions is of three to four days duration.

A. The first contact session will focus on :

1. Business Opportunity Identification;
2. Entrepreneurial Motivation.

B. The second contact session will help learners to :

1. Develop a Detailed Business Plan;
2. Learn about Project Appraisal Systems of Financial Institutions/Banks;
3. Interact with Successful Entrepreneurs.

Learners are encouraged to interact with their counsellors for support and advice. On registration, the learner will be informed about his/her counsellor/counselling centre. However, learners are also welcome to contact the Open Learning Division of EDI, Ahmedabad for any assistance, if needed.



## अनुसरण सहायता

विस्तृत परियोजना की रूपरेखा बनाने में सहयोग एवं उद्यम स्थापना से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं एवं औपचारिकताएं पूर्ण करने हेतु उन अध्ययनकर्ताओं को गहन सहायता दी जाएगी जो कि पाठ्यक्रम की समाप्ति के तुरंत बाद ही कोई इकाई शुरू करने का लक्ष्य रखते हों। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु संबंधित परामर्शदाता अध्ययनकर्ताओं को सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु तीन महीने तक उपलब्ध रहेंगे।

इसके अतिरिक्त, ई.डी.आई.(EDI) भी उन अध्ययनकर्ताओं को आवश्यकतानुसार सहायता देगा जो अपना उद्यम शुरू करना चाहते हैं।

प्रत्येक छः महीने पूरा होने पर अध्ययनकर्ता को एक पत्रक भेजा जाएगा जिसमें अध्ययनकर्ता को अपना उद्यम स्थापित करने से संबंधित परिस्थिति, समस्याएं व प्रयासों का विवरण देना होगा।

## कार्यक्रम किसके लिए

चूंकि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संभावित उद्यमियों एवं अध्ययनकर्ताओं के समूह से उच्च गुणवत्ता के साथ उद्यमिता शिक्षा प्रदान करना है, अतः यह कार्यक्रम निम्न वर्ग के इच्छुक अध्ययनकर्ताओं का स्वागत करता है:

1. गैर स्नातक जो कम से कम तीन वर्ष का अनुभव रखते हों
2. ऐसे विद्यार्थी जो किसी स्नातक/डिप्लोमा कोर्स के अंतिम वर्ष के छात्र हों
3. किसी भी विषय में स्नातकोत्तर/स्नातक अथवा डिप्लोमा प्राप्त व्यक्ति
4. अधिकारी, व्यवसायी एवं कर्मचारी
5. तकनीशीयन एवं व्यापारी
6. स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त अधिकारी/कर्मचारी
7. उद्यमशील महिलाएं व गृहिणियां

(महिलाओं को कार्यानुभव की आवश्यकता नहीं है )

देश में उद्यम स्थापना की प्रक्रिया को त्वरित करने तथा अध्ययनकर्ता की रुचि कायम रखने के उद्देश्य से आवेदकों का चयन आवेदन पत्र में मांगी गई जानकारी के संदर्भ में अध्ययनकर्ता द्वारा दिए गए विवरणों के आधार पर होगा।

## कार्यक्रम शुल्क

संपूर्ण कार्यक्रम के लिए कुल शुल्क 5000 ₹. निर्धारित है। अध्ययनकर्ता शुल्क की कुल राशि दो किश्तों में जमा करवा सकते हैं। 2500 ₹. की प्रथम किश्त नामांकन के समय (आवेदन पत्र के साथ) एवं 2500 ₹. की शेष राशि अगले 3 माह के अंदर जमा करवानी होगी, जैसे कि विभिन्न वैच के लिए नीचे दर्शाया गया है।

- जनवरी वैच - 31 मार्च तक  
अप्रैल वैच - 30 जून तक  
जुलाई वैच - 30 सितंबर तक  
अक्टूबर वैच - 31 दिसंबर तक

## FOLLOW-UP SUPPORT

Support for preparing a detailed project report and assistance with procedures and formalities shall be provided to those who intend to launch their projects soon after completion of the course. Counsellors assigned to learners would be available for the purpose for a period of three months immediately after completion of the course.

## WHO CAN JOIN

Since the basic objective of this course is to provide comprehensive education in entrepreneurship to potential entrepreneurs through cost effective means, this course welcomes :

1. Under-graduates with three years work experience;
2. Students in the final year of degree/diploma course;
3. Post graduates/Graduates and Diploma holders in any discipline;
4. Executives, Professionals and Employees;
5. Technocrats and Traders;
6. Prematurely retired personnel / Ex-servicemen;
7. Enterprising women  
(women candidates are exempted from work experience)

In order to achieve the aim of accelerating the process of enterprise development in India and to ensure the interest of learners in this area, selection will be made on the basis of responses to the relevant questions in the application form and the "General Entrepreneurship Tendency (GET)" Test.

## FEE STRUCTURE

The fee for this course is Rs. 5000/-. This can be paid in two instalments, if desired; Rs.2,500/- to be paid on enrolment and the balance of Rs.2500/- in the next quarter, as explained below :

- |               |   |                   |
|---------------|---|-------------------|
| January batch | - | by 31st March     |
| April batch   | - | by 30th June      |
| July batch    | - | by 30th September |
| October batch | - | by 31st December  |



## विशेष छात्रवृत्ति उपलब्धता

विज्ञान एवं तकनीकी वर्ग के अध्ययनकर्ताओं के लिए कार्यक्रम शुल्क 2500 रु. है जो नामांकन के समय उनकी योग्यता प्रमाण के साथ देना होगा। ऐसे अध्ययनकर्ताओं को राष्ट्रीय विज्ञान एवं तकनीकी उद्यमिता विकास बोर्ड, विज्ञान व प्राधोगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 2500 रु. की छात्रवृत्ति दी जाती है।

## विज्ञान व तकनीकी छात्रवृत्ति के लिए योग्यता

1. विज्ञान अथवा तकनीकी में स्नातक/स्नातकोत्तर योग्यता
2. मान्यता प्राप्त संस्था से तीन वर्ष का तकनीकी डिप्लोमा

## समय सारणी

यह मुक्त अध्ययन कार्यक्रम काफी लचीला है। इस कार्यक्रम में जनवरी से प्रारंभ हो कर प्रत्येक त्रैमासिक अंतराल पर सत्रों की शुरुआत होती है। अतः प्रत्येक वर्ष के जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में नामांकन करवाने का अध्ययनकर्ता के पास विकल्प है। सफलतापूर्वक कार्यक्रम पूरा करने के लिए अध्ययनकर्ता को निम्नलिखित तत्वों को पूरा करना होगा :

1. समस्त पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन
2. सभी इकाइयों के कार्य अभ्यास पूर्ण कर जमा करवाना
3. विस्तृत व्यवसाय योजना तैयार करना
4. अंतिम परीक्षा

## मूल्यांकन की प्रक्रिया

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले अध्ययनकर्ताओं का मूल्यांकन तीन चरणों में किया जाएगा:

**चरण 1 - कार्याभ्यास जमा करवाना** - इसका उद्देश्य,

अध्ययनकर्ता को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं की गहन जानकारी करवाना आवश्यक है। अध्ययनकर्ता को नियमित रूप से पूर्ण किए कार्याभ्यास अपने परामर्शदाता/परामर्श केन्द्र में जमा करवाने होंगे। मूल्यांकन में इस चरण का महत्व 20 प्रतिशत अंकों का होगा।

यदि किसी कारणवश अध्ययनकर्ता कार्याभ्यास नहीं जमा कर पाता है तो उसे बाकी दोनो चरणों यानि विस्तृत व्यवसाय योजना(DPR) तथा वार्षिक परीक्षा में 25-25 अंक लेने होंगे।

**चरण 2 - विस्तृत व्यवसाय योजना** - अध्ययनकर्ता को अंतिम परीक्षा में उपस्थित होने से पूर्व अपनी विस्तृत व्यवसाय योजना भारतीय उद्यमिता विकास संस्था, अहमदाबाद के पास जमा करवानी होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य अध्ययनकर्ता को अपना उद्योग शुरू करने के लिए तैयार करना है। मूल्यांकन में इस चरण का महत्व 40 प्रतिशत अंकों का होगा।

**चरण 3 - अंतिम परीक्षा** - कार्यक्रम के अंत में अध्ययनकर्ता को अंतिम परीक्षा देनी होगी। यदि अध्ययनकर्ता एक निश्चित समयावधि के भीतर अंतिम परीक्षा नहीं दे पाता है तो उसे चार माह का समय मिलेगा जिसके लिए उसे 300 रु. देरी शुल्क जमा करवाना होगा। अध्ययनकर्ता के लिए नामांकन करने के दो वर्ष के भीतर कार्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है।

## आवेदन पत्र जमा करवाने की विधि

आवेदन पत्र सही व साफ ढंग से भरकर, स्वयं के दो पासपोर्ट फोटो व 5000 रु. अथवा 2500 रु. के डिमाण्ड ड्राफ्ट के साथ जिस पर ई.डी.आई. अहमदाबाद (EDI, Ahmedabad)का नाम हो और जो कि अहमदाबाद में देय हो, जमा करवाना होगा। आवेदन पत्र नीचे दिए गए दिनांक तक भेजना आवश्यक होगा:

1. जनवरी बैच के लिए : 25 जनवरी तक
2. अप्रैल बैच के लिए : 25 अप्रैल तक
3. जुलाई बैच के लिए : 25 जुलाई तक
4. अक्टूबर बैच के लिए : 25 अक्टूबर तक

आवेदक के लिए आवेदन पत्र के साथ अपनी शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण देना आवश्यक है।

## SPECIAL FELLOWSHIP SUPPORT

Candidates with science and technology background need to pay only Rs.2500/— on enrolment along with a proof of their Science & Technology qualification, since a fellowship of Rs.2500/- has been granted by the NSTEDB, Dept. of Science & Technology, Govt. of India, to these candidates.

## ELIGIBILITY CRITERIA FOR AVAILING S&T FELLOWSHIP

1. Degree in Science/Engineering ; or
2. Three year Diploma (Technical) from a recognised institution.

## TIME TABLE

The DBEM, an Open Learning Programme as the name suggests, is flexible. The course begins every quarter starting from January. The learner has the option to enrol in January, April, July or October. To successfully complete the course, a learner has to fulfill the following requirements :

1. complete study of the course material
2. submission of assignments
3. project report preparation
4. final examination

## ASSESSMENT PROCESS

Assessment will be done in three stages:

Stage I : Submission of Assignments ( weightage 20% )  
Submission of unit based assignments is compulsory ; the objective is to enable the learner to have a better understanding of various aspects of entrepreneurship. The learner is required to regularly submit his/her assignments for assessment to the nodal agency/counsellor with whom he/she is attached.

Stage II : Detailed Project Report (DPR) (weightage 40%)  
The learner has to submit his/her DPR for evaluation directly to EDI, Ahmedabad before appearing for the final examination. This is essential ,since the objective of the course is to prepare a learner for launching own enterprise.

Stage III : Final Examination ( weightage 40% )  
The learner has to appear for final examination at the end of the course. If a learner is unable to appear for the final examination within the stipulated period, an extension of four months will be granted to him/her on payment of a late fee of Rs. 200/-. It is, however, compulsory for the learner to complete the course within 2 years from the date of enrolment.

## SUBMISSION OF APPLICATION FORM

The enclosed application form must be duly filled up and sent along with two passport size photographs and a demand draft for Rs. 5000/- or Rs. 2500/-in favour of EDI, Ahmedabad, not later than the dates mentioned below :

|               |                 |
|---------------|-----------------|
| January batch | : 25 th January |
| April batch   | : 25 th April   |
| July batch    | : 25 th July    |
| October batch | : 25 th October |

The applicants must submit the proof of their educational qualifications along with the application form.



## भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) का

### महिलाओं के लिए उद्यम पुरस्कार

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने उद्यम पुरस्कार की घोषणा की है जो उन 300 महिलाओं के लिए है जो डिप्लोमा पूर्ण करके अपना उद्यम शुरू करेंगी। पुरस्कार की राशि बैंक अथवा राज्य वित्तीय संस्था द्वारा दिये गए ऋण के राशि पर निर्भर करती है जो निम्नलिखित है।

#### उद्यम पुरस्कार

| ऋण की राशि                           | पुरस्कार राशि |
|--------------------------------------|---------------|
| 30,000-रु. तक                        |               |
| 30,000-रु. से ऊपर और 75,000-रु. तक   | 3000-रु.      |
| 75,000-रु. से ऊपर और 2,00,000 रु. तक | 4,500-रु.     |
| 2,00,000-रु. से अधिक                 | 5,500-रु.     |

#### डिप्लोमा का प्रमाणपत्र

डिप्लोमा लेने के लिए अध्ययनकर्ता को मूल्यांकन के प्रत्येक चरण में कम से कम 50 प्रतिशत अंक लेने होंगे। ये तीन चरण हैं: कार्याभ्यास, विस्तृत व्यवसाय योजना तथा अंतिम परीक्षा। यदि अध्ययनकर्ता कार्याभ्यास जमा नहीं कर पाता है तो उसे डिप्लोमा लेने के लिए विस्तृत व्यवसाय योजना तथा अंतिम परीक्षा में प्रत्येक में कम से कम 25 अंक लेने होंगे।

#### संपर्क करने का पता

- मुक्त अध्ययन विभाग,  
भारतीय उद्यमिता विकास संस्था  
(ई.डी.आई.) अहमदाबाद, पोस्ट: भाट- 382 428.  
जिला- गांधीनगर, गुजरात  
टेलीफोन: (079)2864331, 2864084, 2869068.  
फैक्स: (079)2864367  
ई-मेल: ediindia@ad1.vsnl.net.in
- मुक्त अध्ययन विभाग,  
भारतीय उद्यमिता  
विकास संस्था (ई.डी.आई.)  
नं. 133, XI 'A' क्रॉस, I st Main Road,  
II Stage, West of Chord Road, Bangalore-560 086  
टेलीफैक्स: (080)3496580, 3490384.  
ई-मेल: ediro@giabg01.vsnl.net.in
- मुक्त अध्ययन विभाग,  
भारतीय उद्यमिता  
विकास संस्था (ई.डी.आई.)  
432/36, काला कंकर कॉलोनी,  
ओल्ड हैदराबाद, लखनऊ - 226 007  
(उत्तर प्रदेश)  
टेलीफोन: (0522)387820  
फैक्स: (0522)387856  
ई-मेल: edinro@lw1.vsnl.net.in

## SIDBI'S ENTERPRISE AWARD FOR WOMEN

Small Industries Development Bank of India (SIDBI) has announced 'Enterprise Award' for 300 women learners who set up their enterprises after completion of the course. The amount of the award would depend on the quantum of loan sanctioned by banks/state financial corporations or any other financing agency as per the following norms:

#### Enterprise Award

| Quantum of loan ( Rs.) | Award amount ( Rs.) |
|------------------------|---------------------|
| Upto Rs. 30,000/-      | NIL                 |
| Above 30,000           | 3,000               |
| Above 75,000           | 4,500               |
| Above 2,00,000/-       | 5,500               |

#### AWARD OF DIPLOMA

The learner will be awarded a " Diploma in Business and Entrepreneurship Management " on obtaining a minimum of 50% marks in each of the assessment criteria i.e. Assignments, Detailed Project Report and the Final Examination.

#### EDI CONTACT POINTS

- Open Learning Division  
Entrepreneurship Development Institute of India  
Ahmedabad, (Nr. Village Bhat, Via. Ahmedabad Airport & Indira Bridge)  
P.O. Bhat - 382 428, Dist.: Gandhinagar, (Gujarat)  
Tel: (079) 2864331, 2864084, 2869068  
Fax No.: (079)2864367  
E-mail: ediindia @ad1.vsnl.net.in  
Website : http://www.ediindia.org
- Open Learning Division  
Entrepreneurship Development Institute of India  
No.133, XI 'A' Cross, Ist Main Road, II Stage  
West of Chord Road  
Bangalore - 560 086  
Telefax : (080) 3496580/3490384  
E- mail : ediro@giabg01.vsnl.net.in
- Open Learning Division  
Entrepreneurship Development Institute of India  
432/36, Kala Kankar Colony, Old Hyderabad  
Lucknow - 226 007  
Tel: (0522) 387820  
Fax : (0522) 387856  
E mail : edinro@lw1.vsnl.net.in



## फ्रेडरिक नाऊमन स्टिफ्टुंग के बारे में

फ्रेडरिक-नाऊमन-स्टिफ्टुंग (FNSt), जर्मनी की स्थापना सन् 1958 में जनसेवा के लिए एक लाभ निरपेक्ष संस्था के रूप में हुई। FNSt एक स्वाधीन विचारों एवं प्रशिक्षण की संस्था है। यह संस्था मानव प्रतिष्ठा के स्वाधीन सिद्धांतों व विचारों का प्रचार समाज के सभी क्षेत्रों में करती है। FNSt न केवल देश में और विदेश में बल्कि 75 विकसित तथा विकासशील देशों में सक्रिय है। इसके कार्यक्षेत्र में व्यवहारिक शोध तथा नीति प्रासंगिकता से संबंधित निम्नलिखित परियोजनाएं शामिल हैं:

1. मानवाधिकारों तथा जन शिक्षा का प्रचार
2. पर्यावरण सुरक्षा
3. आर्थिक उदारीकरण तथा क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग के द्वारा मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन, लघु व मध्यम आकार उद्योगों का प्रचार तथा उपभोक्ता समर्थन।

संस्था की दक्षिण एशिया की गतिविधियाँ, नई दिल्ली स्थित कार्यालय से संचालित होती हैं।

## राष्ट्रीय विज्ञान एवं तकनीकी उद्यमिता विकास बोर्ड (NSTEDB) के बारे में

राष्ट्रीय विज्ञान एवं तकनीकी उद्यमिता विकास बोर्ड (NSTEDB) विज्ञान व प्राधोगिकी विभाग की स्थापना सन् 1982 में भारत सरकार द्वारा स्वरोजगार तथा विज्ञान व तकनीकी कौशल युक्त मानव स्रोतों को संस्थाओं द्वारा दी जानेवाली ऋण सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से हुई। इस बोर्ड का एक मुख्य उद्देश्य विज्ञान व तकनीक का प्रयोग कर उद्यमिता का प्रचार व विकास करना है। यह व अन्य संबंधित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए NSTEDB ने विज्ञान व तकनीकी उद्यमिता पार्क (STEP), उद्यमिता विकास सेल (EDC) की विज्ञान व तकनीकी संस्थाओं में स्थापना की तथा देश के विभिन्न भागों में विज्ञान एवं तकनीकी उद्यमिता विकास की परियोजनाएं चलाई हैं।

## ABOUT FRIEDRICH-NAUMANN-STIFTUNG (FNSt)

The Friedrich-Naumann-Stiftung (FNSt), Germany, founded in 1958 is a non-profit organisation for public benefit. The FNSt is the foundation for ideas on liberty and training in freedom. The Foundation promotes the liberal principle of Freedom in Human Dignity in all sectors of society, both nationally as well as internationally, in industrialised countries as well as developing countries. The Foundation is active in more than 75 countries. Its work in the South Asian Region, comprising the SAARC countries, encompasses projects of applied research and policy relevance in the fields of :

1. promotion of human rights and civic education;
2. environment protection;
3. fostering free market economies through economic liberalisation and regional economic co-operation, promotion of small and medium scale industries and of consumer advocacy.

The activities of the Foundation in South Asia are directed from the Regional Office in New Delhi.

## ABOUT NSTEDB

The National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB), Department of Science and Technology was established by the Govt. of India in 1982 with a view to promoting self-employment in the country & linking S&T manpower with institutional credit facilities. One of the major objectives of the board is to promote & develop entrepreneurship through the use of Science & Technology. To achieve this and other related objectives, NSTEDB has set up Science & Technology Entrepreneurs' Parks (STEPS) , Entrepreneurship Development Cells ( EDCs ) in S&T institutions and Science & Technology Entrepreneurship Development ( STED ) projects in different parts of the country.





## OLPE DIVISION

### Entrepreneurship Development Institute of India

Ahmedabad (Via Ahmedabad Airport & Indira Bridge) P.O. Bhat - 382 428, Gujarat, India.

Tel:(91) (079) 2864331, 2864084, 2869068 Fax:(91) (079) 2864367

E-mail: [ediindia@ad1.vsnl.net.in](mailto:ediindia@ad1.vsnl.net.in) Website: <http://www.ediindia.org>

### EDI Regional Offices :

**Bangalore Office:** No.133, XI 'A' Cross, I Main Road, II Stage

West of Chord Road, Bangalore - 560 086

Telefax:(91) (080) 3496580, 3490384 E-mail: [ediro@giabg01.vsnl.net.in](mailto:ediro@giabg01.vsnl.net.in)

**Lucknow Office:** 432/36, Kala Kankar Colony, Old Hyderabad, Lucknow - 226 007

Tel:(91) (0522) 387820 Fax:(91) (0522) 387856 E-mail: [edinro@lw1.vsnl.net.in](mailto:edinro@lw1.vsnl.net.in)

### ओलपे विभाग

### एन्टरप्रिनियोरशिप डेवलपमेंट इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्डिया (EDI)

पोस्ट भाट-382428, जिला-गांधीनगर, गुजरात.

फोन: (079) 2864331, 2869068. फैक्स नं. (079)2864367

इ-मेल: [ediindia@ad1.vsnl.net.in](mailto:ediindia@ad1.vsnl.net.in) वेबसाइट:- <http://www.ediindia.org>

**बॅंगलोर:-** नं. 133, XI 'ए' क्रॉस, फर्स्ट मेन रोड, सेकन्ड स्टेज, वेस्ट ऑफ कोर्ड रोड, बॅंगलोर-560086.

टेलीफैक्स:(080) 3496580, 3490384. इ-मेल: [ediro@giabg01.vsnl.net.in](mailto:ediro@giabg01.vsnl.net.in)

**लखनऊ:-** 432/36, कालाकंकर कॉलोनी, ओल्ड हैदराबाद, लखनऊ- 226007.

फोन: (0522) 387820. फैक्स: (0522) 387856. इ-मेल: [edinro@lw1.vsnl.net.in](mailto:edinro@lw1.vsnl.net.in)